आईपीएस प्रोबेशनर्स एप्रिसिएशन कोर्स के उद्घाटन के अवसर पर माननीय अध्यक्ष का संबोधन

संसद भवन में पधारे भारतीय पुलिस सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों का हार्दिक स्वागत करता हूँ। आज हम यहां भारतीय पुलिस सेवा (IPS) के 75वें बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए लोकसभा सचिवालय के संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा आयोजित संसदीय पद्धतियों और प्रक्रियाओं के परिबोधन पाठ्यक्रम के अवसर पर एकत्र हुए हैं।

आप संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा में सफल होकर इस पद पर पहुँचे हैं। इस उपलब्धि पर मैं आपको बधाई देता हूँ।

मैं आश्वस्त हूँ कि संसद भवन में आयोजित इस एप्रिसिएशन कोर्स के माध्यम से आपको देश की संसदीय पद्धतियों और प्रक्रियाओं के बारे में तथा पुलिस प्रणाली में संसदीय भूमिका के बारे में उपयोगी जानकारी मिलेगी।

भावी अधिकारियों के रूप में, संसदीय प्रक्रियाओं के बारे में आपकी गहन समझ हमारे लोकतांत्रिक ढांचे की कार्यकारी, विधायी और न्यायिक शाखाओं के बीच सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व सुनिश्चित करने के लिए भी अति आवश्यक है।

हमारे देश और सभी प्रदेशों में कानून व्यवस्था को मुस्तैद बनाए रखने में पुलिस की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। आम जन में यह विश्वास बनाने में कि किसी भी संकट के समय वह अकेला नहीं है, बल्कि एक सुव्यवस्थित-संगठित कानूनी बल उसके साथ है; इस भरोसे को कायम रखने में पुलिस फोर्स की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है।

भारतीय पुलिस सेवाएं कानून और व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही नागरिकों के अधिकारों और स्वतंत्रता की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी के रूप में, आपका पद बहुत जिम्मेदारी का पद है। न्याय, अखंडता और राष्ट्र सेवा के मूल्यों को बनाए रखना आपका प्रथम दायित्व होगा। इस एप्रिसिएशन कोर्स के माध्यम से आप यहाँ जो ज्ञान और अनुभव प्राप्त करेंगे, उससे आप अपनी दक्षता में और अधिक वृद्धि कर पाएंगे।

हमारे गतिशील और निरंतर विकसित हो रहे समाज में लगभग हर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बदलाव हो रहा है। पुलिस जाँच से लेकर कार्यवाही और कानून को लागू करने के तौर – तरीके में विकास हुआ है। नई तकनीक-नए तरीके और नई चुनौतियाँ सामने आई हैं।

पिछले कुछ वर्षों में देश में इनवेस्टिगेशन की गुणवत्ता में सुधार किया गया है और इस दिशा में कई ठोस कदम भी उठाए गए हैं। कई अप्रचलित और पुराने कानूनों और अधिनियमों को खत्म किया है, जिनकी कोई प्रासंगिकता नहीं रह गई थी। पुलिस सुधार और प्रशिक्षण की दिशा में काम

किया गया है। समय के साथ हमारी चुनौतियां भी बढ़ रही है और इसलिए हम नई प्रकार की चुनौतियों से निपटने हेतु नए अधिनियम और कानून बनाने और पुराने अधिनियमों व कानूनों को प्रासंगिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस दिशा में लगातार प्रयास कर रहे हैं।

अपराध के तरीकों में बदलाव आया है। अपराधी टेक्नोलॉजी को हथियार बना रहे हैं। आज साइबर क्राइम एक बड़ी चुनौती के रूप में उभर रहा है। ऐसे में पुलिस तंत्र को टेक्नोलॉजी और इनोवेशन का समावेश अपने काम-काज में अधिक करने की जरूरत है और यहीं पर मैं समझता हूँ कि आप युवा साथियों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।

प्रशिक्षण अवधि के दौरान आप अपने आप को इसके लिए तैयार करें कि आने वाली चुनौतियों का सामना सर्वश्रेष्ठ तरीकें से कर सकें। इसी के साथ नए अवसर - नई संभावनाएं किस तरह से देश को आगे बढ़ा सकते हैं, इसकी दिशा भी आप तय करें।

देश के विकास में किस तरह से नई प्रौद्योगिकी, नई तकनीकी का उपयोग किया जा सकता है, किस तरह हम अपने सुरक्षा और सुशासन तंत्र को अधिक मजबूत, अधिक सुदृढ़, अधिक कारगर बना सकते हैं; इस पर नवोन्मेषी और सार्थक विचार देने की जिम्मेदारी आपके कंधों पर है।

टेक्नालजी के प्रति आपकी समझ, आपकी रूचि, और इसके अधिक से अधिक और समुचित उपयोग से आप इन उभरती चुनौतियों से निपटने में अधिक कारगर सिद्ध होंगे। हमारा यंग फोर्स युगांतकारी बदलाव के लिए हमारा ड्राइविंग फोर्स होगा, ये मेरा दृढ़ विश्वास है।

भारत की संसद भी आज नवाचार कर रही है। डिजिटल संसद मोबाईल एप्लीकेशन डिवेलप हुई है। आज सांसदों की उपस्थिति ऑनलाइन दर्ज़ होने लगी है। संसद में रिसर्च, लाइब्रेरी आदि बहुत से काम डिजिटल/ ऑनलाइन होने लगे हैं।

हमारे सिविल सेवक आज के दौर में आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस टूल्स और डेटा एनालिटिक्स जैसी तकनीकों में प्रशिक्षित हों, आज सरकार इस पर गंभीरता से काम कर रही है।

भारत दुनिया का सबसे समृद्ध और सशक्त लोकतांत्रिक राष्ट्र है। जिस तरह से पिछले साढ़े सात दशकों में हमारे देश में व्यवस्था संचालन हुआ है, हमारी संसदीय लोकतंत्र पद्धति दुनिया के सामने एक उदाहरण बनी है। आज दुनिया के अनेक देश हमसे सीख रहे हैं, हमें फॉलो कर रहे हैं। देश की स्वतंत्रता के बाद इन 75 वर्षों में हम देखते हैं कि हर चुनाव में जनता की भागीदारी बढ़ रही है। भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली में समय के साथ जनविश्वास भी बढ़ा है।

सिविल सेवा का मूल आधार सुशासन है। किसी भी सिविल सेवक की सफलता सुशासन को लेकर उनके दृष्टिकोण और सुशासन के लिए उन्होंने क्या किया, उसका रिज़ल्ट क्या रहा, इस पर निर्भर करती है।अपने फील्ड में हमारा यही उद्देश्य होना चाहिए। और इसके लिए जरूरी है कि हमारे अंदर सीखने की जो ललक अभी तक है, उसे हम आगे तक बनाए रखें।

सिविल सेवा में आने वाले आप जैसे युवा देश के चुनिंदा तेज दिमागी युवा होते हैं। सिर्फ किताबी ज्ञान के साथ कोई इस सर्विस में नहीं आ सकता। व्यावहारिक जीवन में उसकी क्या एप्रोच है, किसी चुनौती के सामने क्या दृष्टिकोण है, यह सब भी बहुत मायने रखता है।

सर्विस में आने के बाद हम अपनी इस क्वालिटी को और अधिक बढ़ाएं। हम एक - दूसरे से और जहां से अवसर मिले, वहाँ से सीखते रहें।

अपने कर्तव्य के दौरान आपको समाज में हर भूमिका से परिचित रहना है, और फ्रेंडली भी होना है। इसी के साथ हमारे जो नियम-कानून हैं, उन्हें हमेशा सर्वोच्च भी रखना है।

आज आप लोगों का यह पूरा बैच एक साथ यहाँ है लेकिन अपनी सेवाओं के दौरान आप देश के अलग-अलग जिलों में रहेंगे, तो आप जो भी फैसले लेंगे, वह आम जनता के हित में हों, देश हित और समाज हित में हों।

आप 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के भी ध्वजवाहक है। इसलिए आपके हर कार्य, आपकी हर गतिविधि में 'राष्ट्र प्रथम, सदैव प्रथम' की भावना हो, यही भावना तो हम सभी को एकजुट करती है, हमें राष्ट्र निर्माण के हमारे मूल उद्देश्य के लिए प्रेरित करती है।

कई बार सोशल मीडिया पर मैं देखता हूँ कि कई अधिकारी सोशल मीडिया पर जनता की शिकायत को गंभीरता से लेकर उस पर त्वरित काम करते हैं। आप रेल में सफर कर रहे हैं। वहाँ सफाई से लेकर खाने की जो भी समस्या हो, एक ट्वीट पर रेलवे के मैनेजर को टैग करके या ऑनलाइन शिकायत प्रणाली पर रजिस्टर करने पर उस पर कार्यवाही होती है, समाधान हो जाता है। इसी तरह विभिन्न जिलों में, राज्यों में पुलिस तंत्र आज इतना सक्षम और टेक्नॉलजी फ्रेंडली हो चुका है। सोशल मीडिया पर डाली गई शिकायत का समाधान आज तेजी से हो पा रहा है।

मैं आज आपसे आग्रह करूंगा कि आप सूचना प्रौद्योगिकी का सही दिशा में सर्वोत्तम उपयोग करें, जिससे आम जनजीवन में सकारात्मक बदलाव आ सके।

अभी पिछले वर्ष भारत ने अपनी आज़ादी के 75 वर्ष पूरे किए हैं। अब हम इस सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं कि 2047 में हमारा देश किस तरह विश्व का नेतृत्व करेगा। हमारे देश की उन्नति के लिए आने वाले 25 वर्ष बहुत महत्वपूर्ण होंगे। मुझे उम्मीद है कि अगले 25 वर्षों बाद जब भारत अपनी आज़ादी की 100वीं वर्षगाँठ मनाएगा, तब भारत की तरक्की और विकास में आप ऊर्जावान योग्य युवा पुलिस अधिकारियों की भूमिका अतुलनीय रहेगी।

जब भारत की आज़ादी के 100 वर्ष पूरे होंगे, तब हमारी पुलिस सेवा कैसी होगी, कितनी सशक्त होगी, वो आपके आज के कार्यों पर निर्भर करेगी। आपके संकल्पों और प्रयासों की बुनियाद पर एक भव्य, विकसित और अनुशासित भारत की इमारत का निर्माण होगा। मैं समझता हूँ आप जैसे युवा राष्ट्र निर्माण के इस संकल्प को सिद्ध करने के लिए उत्प्रेरक का काम कर सकते हैं। यह आप सभी का बहुत बड़ा सौभाग्य भी है कि आप एक ऐसे समय पर करियर शुरु कर रहे हैं, जब भारत हर क्षेत्र, हर स्तर पर सकारात्मक और बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है।

सार्वजनिक जीवन में अब आपके नीति-निर्णय लाखों लोगों को प्रभावित करेंगे। अपने-अपने क्षेत्र में आपकी भूमिका सकारात्मक बदलाव लाएगी, इसके लिए मैं आपको अनेक शुभकामनाएं देता हूँ।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि युवा तन, युवा मन और युवा चिंतन से आप देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। जो ज्ञान आप यहाँ अपने कोर्स में प्राप्त करेंगे, उसके उपयोग से आप हमारे पुलिस तंत्र को और अधिक दक्ष कर पाएंगे।

इसी आशा के साथ आप सबको बहुत बहुत शुभकामनाएं।